पूर्ण अटेंशन मगर बिना टेंशन के समाज सेवा का कार्य करते चलें : राजयोगिनी दादी जानकी जी

माउंट आबू (ज्ञान सरोवर), १ जुलाई २०१९। आज ज्ञान सरोवर स्थित हार्मनी हॉल में ब्रह्माकुमारीज एवं आर ई आर एफ की भगिनी संस्था, "समाज सेवा प्रभाग" के संयुक्त तत्वावधान में एक अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का विषय था 'सुखी जीवन और स्वस्थ समाज'. इस सम्मेलन में देश के सैकड़ों समाज सेवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दीप प्रज्वलन के द्वारा सम्मेलन का उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

ब्रह्मकुमारीज की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने आज के सम्मेलन को अपना आशीर्वाद दिया। कहा, दिल और जान से आप सभी सेवा कर रहे हैं। क्यों और क्या का भाव ठीक नहीं होता। हमेशा वाह वाह कहते रहो। अंदर ही अंदर ख़ुशी से शुभ भावना से लोगों की सेवा करते रहो। बिना टेंशन के सेवा करों। सेवा में पूरा अटेंशन देना होगा। निम्मित भाव रखो - निर्माणता को धारण करके सेवा करो। मन में चिंता नहीं - निश्चिंत रहकर सेवा से कदम कदम पर सफलता मिलती रहेगी। चलाने वाला चला रहा है - यह निश्चय रहे।

नेपाल के पूर्व प्रधान मंत्री बिजयकुमार गच्छदार ने भी मुख्य अतिथि के रूप में अपने उदगार रखे। आपने कहा कि अभी अभी मुझे इस स्थान पर परम शांति की अनुभूति हो रही है। ज्ञान सरोवर के इस स्थल पर आने में मुझे थोड़ी देर तो हुई है मगर मैं यहां आ पाया हूँ इसकी मुझे काफी प्रसन्नता है। अगर मैं यहाँ नहीं आया होता तो मेरा जीवन सूखा ही रह जाता। यहां ज्ञान विज्ञान की धारा बह रही है। आज समाज में विकृति पैदा हो गयी है। खासकर के नेपाल में। बुद्ध के देश में आज हालात ख़राब हैं। शिव बाबा के सन्देश को जीवन में धारण करने की जरूरत है। शिव बाबा ही सभी का कल्याण कर पाएंगे। शिवा बाबा की शिक्षाएं वहाँ हर तरफ पहुंच चुकी है।

समाज सेवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी संतोष दीदी ने अपना अध्यक्षीय सम्भाषण प्रस्तुत किया। आपने कहा आज का दिन बड़ी ख़ुशी का दिन है। दादी जी के यहां आते ही ख़ुशी की लहर हर तरफ छा गयी है। दादी जी की देखकर ही हम सभी काफी कुछ सीखते रहते हैं। १०३ की उम्र में भी दादी आज भी सेवा कर रही हैं। ख़ुशी बांटने से बढ़ती रहती है। हमारे विचार अगर पवित्र हैं और श्रेष्ठ हैं तो माहौल भी वैसा ही बन जाता है। निःस्वार्थ सेवा से सभी को ख़ुशी मिलती है। अतः सभी समाज सेवियों को निःस्वार्थ सेवा करनी चाहिए। निःस्वार्थ बनने के लिए शिव बाबा की याद अर्थात शिव बाबा का ध्यान करना है। राजयोग से ही सभी समाधान प्राप्त हो जायेगा। हम सभी को मिल कर समाज की सेवा करनी चाहिए, उससे सफलता तेजी से मिलेगी।

समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजयोगी अमीर चंद भाई ने कहा कि लोग कहते हैं कि जब स्वस्थ समाज होगा तो ख़ुशी होगी। मगर यह तो एक परम्परागत मान्यता है। हमें शिव बाबा ने सिखाया है की पहले मन में ख़ुशी होनी चाहिए तब परिवार और समाज सब खुश हो जाएंगे और स्वस्थ हो जाएंगे। मानसिक शांति के लिए यह जानना की हमारा परम पिता कौन है और हम उनसे कैसे अपना संपर्क कायम कर सकते हैं, यह अनिवार्य है। ईश्वरीय सम्पर्क से समाधान निकल जायेगा।

समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्रह्मा कुमार प्रेम भाई ने पधारे हुए अतिथियों का स्वागत इन शब्दों में किया। आपने कहा कि आज की दुनिया में सुखी जीवन और स्वस्थ समाज की कल्पना करना दिवा स्वप्न लगता है। परन्तु परम पिता परमात्मा में यह शक्ति है की वे निराशा में आशा का संचार कर दें। परमात्मा आकर पवित्र शृष्टि की स्थापना कर रहे हैं।

नेपाल में ईश्वरीय सेवाओं की प्रभारी राजयोगिनी राज दीदी ने भी अपने उदगार प्रकट किये। कहा कि नेपाल में भी ईश्वरीय सेवाओं की धूम है। हर तरफ ईश्वरीय सेवा की जा रही हैं। सभी ओम शांति का उच्चारण करके खुश होते रहते हैं। अधिकांश लोगों ने शिव बाबा का सन्देश जीवन में अपनाया है।

रोटरी गवर्नर डॉक्टर नलिनी जी ने भी अपने उदगार रखे। कहा, शायद हमारा संस्कार देवी देवताओं के जीवन की पवित्रता को ढूंढ रहा है। ढूंढ नहीं पा रहा है। हम समाज सेविओं का ममत्व हमारे आड़े आ गया है। हम कर्म के बजाय दूसरों के धर्म पर प्रहार कर रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज़ की शिक्षाएं हमें मार्ग दर्शन दे सकती हैं। आज दुनिया में आध्यात्म के लिए ब्रह्मकुमारीस से बेहतर कोई संस्था नहीं है।

कार्य क्रम की सम्पन्नता के पूर्व **ब्रह्मा कुमारीस के महा सचिव राजयोगी निर्वैर भाई** ने अपने वीडियो सन्देश में सभी से निवेदन किया कि आप सभी कम से काम एक पौधा अवश्य रोपें। पर्यावरण को बचाने के लिए यह अनिवार्य है।

समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बी के अवतार भाई ने पधारे हुए अतिथियों को धन्यवाद दिया। **राजयोगिनी वंदना बहन** जी ने मंच का संचालन किया।